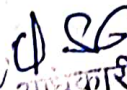



न्यायालय का नाम :- उपखण्ड अधिकारी, जोधनेर

केस सं. / 202.....

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विरुद्ध रूप से
	१४.३-२५	<p>पत्रावली पेशा दुर्ग। अधिवक्ता वारी उपस्थित। पूर्वनिष्ठा की पाठना की पत्रावली दिनांक १५/३/२५ की पेशा थी।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जोधनेर जयपुर </p>
	१.५.२५	<p>पत्रावली पेशा दुर्ग। वारी एवं उनके अधिवक्ता अनुपस्थित। वारी को डायल-भायालय में धृक्-धृक् समग्र पर तीन-तीन बार भावापे लगवायी गयी। आवपूद भावापे लगवाये जाने के अन्त भी वारी के भायालय में हाजिर नहीं जाने के कारण पत्रावली अन्तर्गत आदेश-वतिग्र-३ जा०धी० के तहत अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज की जाती है। पत्रावली फौलद अनुमाट होकर नंबर से कम होकर शकिस इन्तर थी।</p> <p style="text-align: right;">  उपखण्ड अधिकारी जोधनेर, जयपुर </p>